डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(नेशनल अकादमी ऑफ़ लेटर्स)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी
राजभाषा हिंदी कार्यशाला संपन्न
संप्रेषणीय, संक्षिप्त तथा सार्थक शब्दों का प्रयोग आवश्यक – राजबीर सिंह

26 जून 2018, नई दिल्ली। साहित्य अकादेमी के प्रधान कार्यालय में राजभाषा विशेषज्ञ राजबीर सिंह ने दिनांक 26 जून 2018 को "प्रशासनिक शब्दावली : निर्माण की प्रक्रिया और प्रयोग" विषय पर आयोजित हिंदी कार्यशाला में व्याख्यान दिया। कार्यशाला के प्रारंभ में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एवं अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने पुस्तक भेंट कर राजबीर सिंह का स्वागत किया।

अपने वक्तव्य में राजबीर सिंह ने कहा कि शब्द अकेले नहीं होते उनकी मित्रमंडली होती है। उन्होंने कई प्रचलित शब्दों के लिए प्रशासनिक शब्दों के उदाहरण भी प्रस्तुत किए– अप्रूवल – अनुमोदन, कन्करेंस – सहमति, कोन्सेंट – सम्मति, एक्सप्टेंश – स्वीकृति, सेंक्शन – मंजूरी/संस्वीकृति तथा रेक्मेंडेशन – संस्तुति आदि। उन्होंने दैनिक प्रशासनिक कामकाज में प्रयुक्त होने वाले शब्दों के संबंध में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उचित शब्द व उनका अर्थ न जानने के कारण अकसर हम ठीक तरह से अपनी बात को प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं। उन्होंने तकनीकी शब्दावली आयोग के कार्यों का उल्लेख करते हुए बहुत से शब्दों की निर्मिति के बारे में रोचक जानकारी दी। तकनीकी शब्दावली आयोग की परिकल्पना तथा उसके सिद्धांतों पर भी चर्चा की।

उन्होंने कहा कि शब्द तीन तरह के होते हैं – परंपरा से आए शब्द, दूसरी भाषाओं से ग्रहण किए/लिए गए शब्द तथा निर्मित किए गए शब्द। उन्होंने शब्दों की यात्रा के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि शब्द बोलते हैं। शब्दों में भी जीवन होता है। हमें उनका सार्थक प्रयोग करना चाहिए। हमें शब्दों की ताकत को पहचानना होगा। उन्होंने कहा कि जितनी बढ़िया अभिव्यक्ति हम अपनी भाषा में कर सकते हैं उतनी बढ़िया अभिव्यक्ति किसी अन्य या अंग्रेजी भाषा में नहीं कर सकते हैं। हम अकसर सरलता का पक्ष लेते हैं लेकिन हमें ध्यान रखना चाहिए कि शब्दों में सरलता प्रयोग से ही आती है। भाषा से हमें संस्कार मिलते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक कठिन हिंदी होती है और एक अच्छी हिंदी होती है। हमारे भीतर सीखने की प्रवृत्ति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी में काम करना बहुत सरल है। उन्होंने संप्रेषणीय, संक्षिप्त तथा सार्थक शब्दों के प्रयोग पर बल दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने शब्द प्रयोग के लिए संतुलित और समन्वित धारणा अपनाने का भी सुझाव दिया।

कार्यशाला में साहित्य अकादेमी के पदाधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए। कार्यशाला के अंत में प्रभारी, रा.का.स. अनुपम तिवारी ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in